F.No. CUSB/Acad/5-32/2022/AE1380 दिनांकः 27 सितंबर, 2024

परिपत्र

भारतीय भाषाओँ का संवर्धन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है। इस नीति के द्वारा देश के उच्चतर शिक्षा संस्थानों में अध्ययन-अध्यापन तथा अनुसन्धान के माध्यम के रूप में भारतीय भाषाओं के व्यापक समावेश पर बल दिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुच्छेद 22.20 में उधृत है कि भारतीय भाषाओं का संवर्धन एवं प्रसार तभी संभव है जब उन्हें नियमित तौर पर प्रयोग किया जाए तथा शिक्षण - अधिगम के लिए प्रयोग किया जाए।

इसी के अनुरूप, दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपाधि प्रदान करने से संबंधित अध्यादेश में संशोधन कर शैक्षिक कार्यक्रमों के अध्ययन-अध्यापन तथा परीक्षा के माध्यम के रूप में अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी को भी शामिल किया गया। इस अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार, अब छात्र अपने सेमेस्टर-समाप्ति परीक्षाओं में हिंदी या अंग्रेजी में से किसी भी भाषा में उत्तर लिखने का विकल्प चुन सकते हैं।

इस संदर्भ में, यह उचित प्रतीत होता है कि हम छात्रों को परीक्षाओं के लिए भाषा चुनने में सहायता प्रदान करें तथा इस पहल को सुगम बनाने के लिए उन्हें द्विभाषीय प्रश्नपत्र उपलब्ध करायें। यह कदम छात्रों को प्रश्नों को बेहतर ढंग से समझने तथा उनकी पसंद की भाषा में उत्तर लिखने में सहायता प्रदान करेगा।

अतएव, भाषा एवं साहित्य पीठ के विभागों को छोड़कर, सभी विभागाध्यक्षों से अनुरोध है कि वे दिसंबर 2024 में आयोजित होने वाली आगामी सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए द्विभाषी (हिंदी और अंग्रेजी) प्रश्नपत्र तैयार करने की पहल पर विचार करें। यद्यपि यह अनिवार्य नहीं है, तथापि इस दिशा में बढ़ाया गया कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को प्राप्त करने और भारतीय भाषाओं के संवर्धन के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को और भी सशक्त बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान देगा।

सक्षम प्राधिकारी के आदेशानुसार।

CIRCULAR

The promotion of Indian languages is one of the key objectives of the National Education Policy (NEP) 2020. This policy emphasizes the broader integration of Indian languages as a medium of instruction and research in the Higher Educational Institutions. It is clearly cited in para 22.20 of NEP 2020 that the promotion of Indian languages is possible only if they are used regularly and if they are used for teaching and learning.

In line with this, Central University of South Bihar has amended its Academic Ordinances Governing the Award of Degrees, to include Hindi, alongwith English, as a medium of instruction and examination for its academic programmes of studies. According to the provisions of this ordinance, now the students have the option to take their end-term examinations in either Hindi or English.

In the above backdrops, it would be in the fitness of things that we provide appropriate support to the students in choosing their preferred language for examinations and facilitate them by providing bilingual question papers. This step will assist students in better understanding the questions and answering in the language of their choice.

Hence, all Heads of Departments, except the Departments under the School of Language and Literature, are requested to consider taking initiative for preparation of bilingual (Hindi and English) question papers for the upcoming semester examinations to be held in December, 2024. While this initiative is not mandatory, however, moving in this direction will greatly contribute towards achieving the objectives of the National Education Policy 2020 and further the University's commitment to promoting Indian languages.

This issues with the approval of the Competent Authority.

शांतिगोपाल पाइन
(डॉ. शांतिगोपाल पाइन)
परीक्षा नियंत्रक

Copy to:
1. The Dean/Head of all Schools/Departments, CUSB
2. All faculty members, CUSB
3. Vice-Chancellor's Secretariat, CUSB
4. Coordinator, IQAC, CUSB
5. DR (Rajbhasha), CUSB
6. DR (Acad & Exam)/ AR (Acad & Exam), CUSB
7. Guard File.